वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

नये सत्र से प्रभावी

स्नातक खण्ड – I

हिन्दी–रचना अनिवार्य (अहिन्दी भाषियों के लिए)

कला / विज्ञान / वाणिज्य

(सामान्य एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गो के लिए)

समय : 1 घंटा 30 मिनट **पूर्णांक : 50**

अंक विभाजन

(क) वर्णनात्मक प्रश्न–काव्य	:	10 अंक
(ख) वर्णनात्मक प्रश्न–गद्य से	:	10 अंक
(ग) व्याकरण	:	10 अंक
(घ) दिये गये शब्दों से अर्थपूर्ण वाक्य लेखन	:	05 अंक
(ङ) प्रकृति, पर्व, सामाजिक स्थिति, विज्ञान एवं राष्ट्र विषयक निबंध–लेखन।	:	15 अंक
		कुल– 50 अंक

निर्धारित ग्रन्थ :

1. **निबन्ध श्री** : सम्पादक डॉ0 परशुराम सिंह, श्री कृष्ण प्रकाशन, कतीरा, आरा।
   पाठसंख्या–प्रारम्भ से 10 पाठ तक।
2. **काव्य वाटिका** : सम्पादक–प्रोफेसर डॉ0 रमेशचन्द्र मिश्र शिव, जय–भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
   निर्धारित पाठ : कबीरदास साखी 1 से 10 तक।
   साखी : 'प्रेम न बाड़ी उपजै', 'पोथी पढ़ि–पढ़ि', 'लाली मेरे लाल', 'जब मैं था', 'कहत सुनत', 'छिनही चढै', 'पिया चाहै', 'गुरू धोबी', 'गुरू गोविन्द', 'तेरा साई', 'पद–रहनानहिं देस बिराना है'।
3. **व्याकरण** :
   रचनामानस : प्रोफेसर रामेश्वर तिवारी।
   पठित अंश : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया–विशेषण, शब्द और शब्दार्थ, लिंग–निर्णय, मुहावरे, विपरीतार्थक शब्द।
4. **हिन्दी निबन्ध** :
   ग्रन्थ : निबन्ध भास्कर–डॉ0 वचन देव कुमार, भारतीय भवन, पटना।

स्नातक खण्ड – 1
प्रधान हिन्दी
(कला के वैकल्पिक विषय के रूप में सहायक एवं सामान्य छात्रों के लिए)

समय : 03 घंटे | पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यपुस्तकों से तीन प्रश्न	:	15 x 3 = 45 अंक
(ख) कवि अथवा लेखक परिचय–दो प्रश्न	:	10 x 2 = 20 अंक
(ग) सप्रसंग व्याख्या– (काव्य एवं नाटक से) दो प्रश्न	:	10 x 2 = 20 अंक
(घ) छंद, अलंकार, रस, परिचय एवं उदाहरण	:	5 x 3 = 15 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित ग्रन्थ :

1. काव्य–रसनिधि : सम्पादक डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी, जय भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्धारित पाठ :

विद्यापति : विरह– 'सखि हे बालम जितब विदेसे', 'मधुबन मोहन गेलरे', 'लोचन धाए फेदाएल', 'के पतिआ लए जाएत रे', 'चानन भेल विषम सर रे।'

कबीरदास : प्रारम्भिक–20 दोंहे।

1. 'चकई बिछुरी रैनिकी', 2. 'बासुरी सुख नॉ रैनि सुख', 3. 'बिरह भुवंगम तन बसै', 4. 'ॲखियन तौ झॉई परी', 5. 'कै बिरहिन कौ मीच दै', 6. 'परवत–परवत मैं फिरा', 7. 'पानी ही ते हिम भया', 8. 'आया था संसार में', 9. 'जब मैं था तब हरि नहीं', 10. 'कागद केरी नॉरी', 11. 'मना मनोरथ छाड़ि दें।', 12. 'जहॉ न चींटी चढ़ि सकै', 13. 'माया मुई न मन मुवा', 14. 'मन मथुरा दिल द्वारिका', 15. 'जाके मुँह माया नहीं', 16. 'मरते–मरते जग मुवा', 17. 'यह तन जारौं मसि करौं', 18. 'गुरू गोविंद दोउ', 19. 'पोथी पढ़ि–पढ़ि जग मुवा', 20. 'जल बीच कुम्भ, कुम्भ बीच जल है।'

सूरदास : पद– 1. हमारे हरि हरित की लकरी, 2. साकी सीख सुनै ब्रज कोरे? 3. ब्रजजन सकल स्याम व्रतधारी, 4. कोट ब्रज बॉचत बाहिनं पाती, 5. बिन गोपाल बैरिन भई कुजै, 6. संदेसनि मधुवन कूप भरें, 7. उर में माखन चोर गड़े, 8. ऊधो मत नहि हॉथ हमारे, 9. ऊधो मन माने की बात, 10. मधुकर! हम न होहि वे बेली।

तुलसीदास : रामचरितमानस से–नाम वंदना।

बिहारी : प्रारम्भिक–संकलित 20 दोहे–

1. मेरी भव बाधा हरौ, 2. सीस मुकुठ कटि काछनी, 3. मोर मुकुट की चंद्रिकनी, 4. सेहत ओढ़े पीत पटु, 5. रनित भृंग घंटावली, 6. तो पर वारौं उरबसी, 7. अलि इन लोचन को कछु, 8. इन दुखिया ॲखियान, 9. कहत सबै दिए, 10. तौ लगि या मन सदन में, 11. वतरस लालच लाल की, 12. तजि तीरथ हरि राधिका, 13. किती न गोकुलकुलवधु, 14. अधर धरत हरि के परत, 15. कहत सवै वेदी दिये,

16. नासा मोरि नचाय दृग, 17. चिरंजीवी जोरी जुरै, 18. मकराकृति गोपाल के,
19. कागज पर लिखत न बनत, 20. करले चूमि चढ़ाय सिर।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : यमुना–वर्णन।
माखन लाल चतुर्वेदी : जवानी
मैथिली शरण गुप्त : सखि, ने मुझसे कहकर जाते।
जयशंकर 'प्रसाद' : अरूण यह मधुमय देश हमारा।
निराला : विधवा, स्नेहनिर्झर।
पंत : मौन निमंत्रण, द्रूत झरो।
महादेवी वर्मा : दूर के संगीत सा वह कौन है! मैं नीर भरी दुःख की बदली, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत रजनी।
जानकी बल्लभ शास्त्री : किसने बॉसुरी बजाई, मेघ गीत।
हरिवंश राय बच्चन : तुम गा दो, मेरा गान अमर हो जाये, स्वप्न में तुम हो तुम्ही हो जागरण में।
रामधारी सिंह 'दिनकर' : 'कुरूक्षेत्र' से युधिष्ठिर का पश्चाताप।

2. प्रतिनिधि कहानियॉ : सम्पादक–डॉ0 राम प्यारे तिवारी एवं डॉ0 नीरज सिंह।
निर्धारित पाठ : कफन–प्रेमचन्द, पुरस्कार–जयशंकर 'प्रसाद', ध्रुवयात्रा–जैनेन्द्र, परदा–यशपाल, परमात्मा का कुता–मोहन राकेश, वापसी–उषा प्रियवदा, तबै एकला, चलो रे–फणीश्वरनाथ रेणु।

3. ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर 'प्रसाद'
(i) छन्द परिचय : दोहा, चौपाई, रोला उल्लाला, मतगयंद, मालिनि, शिखरिणी, मांकान्ता, कवित, सवैया, छप्पय, कुण्डालियॉ।
(ii) अलंकार परिचय : उपमा, रूपक, अपहनुति, श्लेष, यमक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, विशेषोक्ति, अन्योक्ति, समासोवित, विभावना, प्रतीत, तुल्योगिता, दीपक।

4. (iii) रस तथा उसके भेद : परिचय।

अभिस्तावित ग्रन्थ :

I. अलंकार, मुक्तावली–प्रोफेसर देवेन्द्र शर्मा, भारतीय भवन, पटना।
II. छन्द प्रकाश–डॉ0 यदुनंदन शास्त्री।
III. काव्य शास्त्र – डॉ0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
IV. काव्यशास्त्र आद्यचरण– डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी।
V. काव्य के रूप– डॉ0, गुलाब राम।

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

त्रि–वर्षीय हिन्दी प्रतिष्ठा में प्रथम–वर्ष में प्रथम एवं द्वितीय, द्वितीय वर्ष में तृतीय तथा चतुर्थ एवं तृतीय वर्ष से पंचम से लेकर अष्टम पत्र अर्थात् कुल मिलाकर हिन्दी प्रतिष्ठा स्नातक का परीक्षाफल संयुक्त रूप से मानक प्रतिशत के आधार पर हिन्दी–स्नातक प्रतिष्ठा में उतीर्णता का द्योतक होगा। साथ ही हिन्दी–रचना प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष तथा सहायक विषय के स्वरूप में प्रधान हिन्दी के पत्र प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए अलग से अपना मापदण्ड रखते हैं, तृतीय वर्ष में हिन्दी रचना के स्थान पर सामान्य अध्ययन है।

हिन्दी प्रतिष्ठा
प्रथम पत्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

निर्धारित पाठ्यांश :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आदिकाल तथा भक्तिकाल

(क)	इतिहास ग्रंथ से दो प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य	:	15 x 2 = 30 अंक
(ख)	इतिहास के पठित अंश के किन्हीं दो कवियों अथवा कृतियों का परिचयात्मक अध्ययन	:	10 x 2 = 20 अंक

2. भक्तिकाव्य–संग्रह–सम्पादक डॉ0 नन्द किशोर तिवारी

प्रश्न–आधार

(i)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 x 1 = 15 अंक
(ii)	सप्रसंग व्याख्या	:	10 x 2 = 20 अंक
(iii)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न अथवा टिप्पणी लेखन (इतिहास के पठित–अंश से)	:	5 x 3 = 15 अंक
			कुल = 50 अंक

अध्ययन हेतु निर्धारित पाठ :

विद्यापति, जायसी, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीरा, केशव–दास, नन्द–दास, रखखान।

हिन्दी प्रतिष्ठा
द्वितीय पत्र
गद्य साहित्य
(उपन्यास, नाटक एवं कहानी)

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

निर्धारित पाठ्यांश :

1. अंक विभाजन

(क)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 x 3 = 45 अंक
(ख)	आलोचनात्मक प्रश्न	:	10 x 3 = 30 अंक
(ग)	साहित्य–विद्या–परिचय	:	5 x 2 = 10 अंक
(घ)	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	15 x 1 = 15 अंक

निर्धारित ग्रंथ :

(क) चित्रालेखा– भगवतीशरण वर्मा।

(ख) अजातशत्रु– जयशंकर 'प्रसाद'।

(ग) कथ्यांतर– डॉ0, राम विनोद सिंह।

निर्धारित पाठ :

उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, जयदोल, रसप्रिय, अमृतसर आ गया।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. **हिन्दी उपन्यास–** डॉ0 शिव नारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी।
2. **हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास–** डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली।
3. **कहानी :** नई कहानी डा0 नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. **नाटककार जयशंकर 'प्रसाद' :** जयनाथ नलिन।
5. **अजातशत्रु : एक समीक्षा –** डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी, विनोद प्रकाशन, पटना।
6. **प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन –** डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
7. **हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन –** गणेशन।
8. **कहानी आन्दोलन की भूमिका –** डॉ0 बलराज पाण्डेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद।

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
प्रथम – पत्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

महाकाव्य और गीतिकाव्य

निर्धारित पुस्तकें :

1. **मेघदूत – परिचय**
2. **किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग मात्र)**
3. **रघुवंशम् – त्रयोदश सर्ग मात्र।**
4. **कुमार संभवम् (पंचम सर्ग मात्र)**

आलोचनात्मक प्रश्न :4 : 13 x 4 = 52 अंक, व्याख्या : 2 : 10 x 2 = 20 अंक, अनुवाद : 2 प्रत्येक से एक–एक अंक : 7 x 4 = 28 अंक कुल = 100 अंक

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
द्वितीय–पत्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

काव्य, इतिहास, व्याकरण :

1. (कावय) – सौमित्रीसुन्दरीचरितम् (चतुर्थ एवं पंचम सर्ग) 20 अंक
   प्रणेता – पं0 भवानोदत शर्मा
   प्रकाशक – डॉ0 उमेशदत्त पाण्डेय, स. वि. एच. डी. जैन कॉलेज, आरा।
   आलोचनात्मक प्रश्न – 1, 12 अंक, श्लोक का अनुवाद – 1, 08 अंक।
2. इतिहास – रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य, नाटक, गद्यकाव्य, चम्पू काव्यशास्त्र तथा स्रोत
   आलोचनात्मक प्रश्न : 15 x 2 = 30 अंक, टिप्पणी – चार अंक – 5 x 4 = 20 अंक
3. **व्याकरण :** कारक प्रकरणम् (सिद्वांत कौमुदी) – 30 अंक
   सहायक ग्रन्थम्, इतिहास के लिए :
   (क) संस्कृत साहित्य का इतिहास – नवीन संस्करण, आचार्य बलदेव उपाध्याय।
   (ख) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।
   (ग) संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – पाण्डे एवं व्यास।

दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम – पत्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. भारतीय दर्शन का आधारभूत रूप
2. आस्तिक और नास्तिक की परिभाषा
3. चार्वाक – ज्ञानशास्त्र (Epistemology) नीतिशास्त्र (Ethics) सत्व विद्या (Ontology)
4. जैन – द्रव्य, जीव, बन्धन, मुक्ति, स्वाद्‌वाद
5. बुद्व – चार आदर्श सत्य
6. न्याय – ज्ञान का स्रोत, ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण
7. वैषेशिक – सात श्रेणियॉ
8. सांख्य – सतकर्मवाद, उत्पति, पुरूष और प्रकृति, बन्धन एवं मुक्ति
9. योग – अष्टाग मार्ग
10. मीमांसा – अपूर्व
11. वेदान्त – (A) शंकर, ब्राह्मण, विश्व, माया और आत्मा।
12. रामानुज – ब्रह्मा और शंकर के मायावाद का खंडन

दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)

द्वितीय – पत्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

तत्व मीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा :

1. **दर्शन का स्वरूप** – दर्शन का धर्म और विज्ञान से संबंध।
2. **तत्वमीमांसा सिद्वांत** – भौतिकवाद, प्रत्ययवाद, अनुभववाद या तटस्थवाद, एकात्मवाद, द्वैतवाद, अनेकवाद।
3. **ज्ञान मीमांसा सिद्वांत** – बुद्विवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद, वस्तुवाद और प्रत्ययवाद।
4. **सृष्टिवाद और विकासवाद** – डार्बिन का विकास सिद्वांत।
5. **ईश्वर संबंधी सिद्वांत** – अनेकेश्वरवाद, केवल निमितेश्वरवाद सर्वेश्वरवाद और ईश्वरवाद।

दर्शनशास्त्र (सहायक)

भारतीय दर्शन

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. **भारतीय दर्शन का मूलभूत विशेषताऍं।**
2. **आस्तिक और नास्तिक।**
3. **चार्वाक – ज्ञानशास्त्र और सत्य क्रिया।**
4. **वृद्व – चार आदर्श साम।**
5. **जैन – स्याद्‌वाद, जीव, बन्धन और मुक्ति।**

6. **सांख्य – सत्कर्मवाद और विकास का सिद्धांत।**
7. **योग – योग का अष्टांग मार्ग एवं ईश्वर का विचार।**
8. **न्याय – ज्ञान का स्रोत।**
9. **वैशेषिक – सात श्रेणियॉ।**
10. **शंकर – ब्रह्म सिद्वान्त, आत्मा एवं विश्व संबंधी विचार।**
11. **रामानुज – ब्रह्म और ब्रह्मवाद का खंडन।**

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)

प्रथम पत्र

राजनीतिशास्त्र के सिद्वांत

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

(क) **राजनीति विज्ञान : प्रकृति और क्षेत्र**

1. राजनीति क्या है?
2. राजनीति की उदार और मार्क्सवादी विचारधारा
3. परम्परागत राजनीति शास्त्र– प्रकृति और क्षेत्र।
4. आधुनिक राजनीति विज्ञान – प्रकृति और क्षेत्र।
5. राजनीति विज्ञान की बाह्म अनुशासनीय (Outerdisciplinary) उपागम – अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।
6. राजनीति विज्ञान के अध्ययन की प्रणाली।

(ख) **राज्य**

7. परिभाषा और तत्व।
8. राज्य की प्रकृति।
9. साध्य लक्ष्य और विवाद।
10. आधुनिक राष्ट्र का उत्थान पतन।
   राज्य के कार्य– उदारवाद, समाजवाद और कल्याणकारी राज्य।

(ग) **संप्रभुता (Sovereignty)**

11. जॉन ऑस्टीन की विचारधारा के विशेष संदर्भ में अद्वैतवाद।
12. लास्की और मेकिबर की विचारधारा के विशेष संदर्भ में बहुलवाद।

(घ) **राजनैतिक विचारधारा** :

13. कानून
14. नकरात्मक और सकरात्मक के विशेष संदर्भ में स्वतंत्रता की उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा।
15. समानता की धारणा – समानता का न्यायिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिकआयाम अधिकार और समानता में संबंध।
16. अधिकार – उदारवादी और मार्क्सवादी विचार के विशेष संदर्भ में अधिकार और अधिकार के सम्बन्ध में लास्की का सिद्वांत।

17. न्याय – कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में। स्वतंत्रता, समानता तथा न्याय के मध्य संबंध।

(ङ) प्रजातंत्र (Democracy) :

18. प्रजातंत्र– शास्त्रीय : अनेकतावादी विचारधारा के विशेष संदर्भ में प्रजातंत्र।

19. राजनीतिक दल।

20. दबाव डालने वाला समूह (Pressure Group A)

21. जनमत और प्रतिनिधित्व की प्रणाली

(च) धारणाएँ और सामान्य विचार (Approaches and Concepts) :

22. व्यवहार

23. डेविड ईस्टन का राजनीतिक व्यवस्था सिद्वांत

24. आमण्ड का संरचनात्मक प्रकार्यवाद उपागम।

25. शक्ति, सता औचित्यपूर्णता और राजनीतिक संस्कृति।

(छ) राजनीतिक अनुग्रह और सिद्वांत (Political obligation and Theories) :

26. व्यक्तिवाद

27. आदर्शवाद

28. मार्क्सवाद

29. प्रजातांत्रिक समाजवाद

30. फासीवाद

31. गॉधीवाद।

सहायक पुस्तकें :

1. राजनीतिक सिद्वांत – डॉ0 गॉधी जी राय
2. राजनीति शास्त्र के सिद्वांत – आर्शीर्वादम्।

द्वितीय पत्र

तुलनात्मक सरकार और राजनीतिक

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

(यू0 के0, यू0 एस0 ए0, फ्रांस, स्वीटजरलैंड और रूस के विशेष संदर्भ में)

1. तुलनात्मक सरकार और राजनीति की प्रकृति और सीमा।
2. तुल्नात्मक प्रणाली के सिद्वांत।
3. संविधान पद्वति।
4. राजनीति प्रणाली और राजनीतिक प्रक्रिया।
5. तुलनात्मक राजनीति के उपागम।
6. एकात्मक एवं संघात्मक पद्वति।
7. संसदीय एवं अध्यक्षात्मक पद्वति।
8. अधिकार के वर्गीकरण का सिद्वांत।

9. व्यवस्थापिका।
10. कार्यपालक प्रणाली।
11. न्याय प्रणाली।
12. संविधान में संशोधन की प्रणालियॉ।
13. दबाव समूह ।
14. राजनीतिक दल एवं दलीय प्रणाली।

सहायक पुस्तकें :

1. तुलनात्मक राजनीति – पुखराज जैन
2. तुलनात्मक शासन और राजनीति – डॉ0 गॉधी जी राय

राजनीति विज्ञान (सहायक)

राजनीति शास्त्र के सिद्वांत

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

(क) राजनीति विज्ञान की प्रकृति और क्षेत्र :

1. राजनीति क्या है?
2. परम्परवादी राजनीति शास्त्र– प्रकृति एवं क्षेत्र।
3. आधुनिक राजनीति विज्ञान , प्रकृति एवं क्षेत्र।
4. राजनीति विज्ञान को अन्तर्अनुशासनीय पद्वति एवं अन्य समाजिक विज्ञान से संबंध।
5. राजनीति विज्ञान के अध्ययन की मुख्य पद्वति।

(ख) राज्य

6. परिभाषा एवं तत्व।
7. राज्य की प्रकृति।
8. साध्य–साधन विवाद।
9. राज्य के कार्य – उदारवाद, समाजवाद, और लोककल्याणकारी राज्य।

(ग) संप्रभुता और बहुलवाद :

10. जान ऑस्टीन की विचारधारा के विशेष संदर्भ में ब्रह्मवाद।
11. जे0 लॉस्की एवं आर0 एम0 मेकआईवर के विचारधारा के विशेष सन्दर्भ में अनेकतावाद।

(घ) राजनीतिक विचारधारा

12. कानून
13. नकरात्मक और ककरात्मक के विशेष संदर्भ में स्वतंत्रता को उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा।
14. समानता– न्यायिक, राजनैतिक, समाजिक, आर्थिक परिणाम, अधिकार और समानता के सम्बन्ध।
15. अधिकार – उदारवादी और मार्क्सवादी विचार के विशेष संदर्भ में लॉस्की का सिद्वान्त।
16. न्याय – कानूनी, राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के संदर्भ में।

(ङ) प्रजातंत्र

17. शास्त्रीय, अनेकतावादी, लोक समूहवादी और मार्क्सवादी विचारधारा के विशेष संदर्भ में।
18. राजनीतिक दल।

19. छबाव डालने वाला समूह।
20. गॉधीवाद।

इतिहास (प्रतिष्ठा)
प्रथम–पत्र

भारत का इतिहास (पूर्व से 550 AD तक)

1. भारत में सभ्यता की शुरूआत – पूरा पाषाण युग, मध्य पाषाणकाल, नवपाषाण युग और ताम्र पाषाण युग।
2. प्राचीन भारत के इतिहास का साहित्यिक और पुरातात्विक श्रोत।
3. हड़प्पा सभ्यता का उदय, स्वरूप, विशेषताएँ शहरों के प्रारूप, सभ्यता के पतन के कारण।
4. वैदिक सभ्यता – ऋग्वैदिक शासन, राज्य, अर्थव्यवस्था और धर्म, बाद के वैदिक सभ्यता में बदलाव।
5. छठी शताब्दी ई0 पू0 भारत का राजनैतिक स्थिति, मगध की प्रभुता के क्रमिक विकास और मेसोडोनिया का आक्रमण।
6. भारत में छठी शताब्दी बी0 सी0 में धार्मिक सुधार आंदोलन, जैन धर्म तथा बौद्व धर्म का उदय भारतीय इतिहास और संस्कृति में जैन धर्म तथा बौद्व धर्म का योगदान।
7. मौर्यवंश – उत्पति, चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक की उपलब्धियॉ, विदेशी और धार्मिक नीति, वाद के प्रशासनिक सुधार, मौर्य वंश का पतन।
8. पुण्यमित्र शुंग की उपलब्धियों या उसके सांस्कृतिक विकास (देन)।
9. शकों की भूमिका और योगदान।
10. कुपाण वंश, कनिष्क–प्रथम की उपलब्धियॉ तथा पतन।
11. गुप्त वंश – इतिहास, चन्द्रगुप्त प्रथम, समुन्द्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, स्कंदगुप्त, गुप्त वंश का पतन, गुप्त काल में प्रशासनिक और सांस्कृतिक सुधार।

इतिहास (प्रतिष्ठा)
द्वितीय–पत्र

मध्यकालीन यूरोप का इतिहास

1. रोमन साम्राज्य का पतन–कारण और परिणाम।
2. शार्तमेन की उपलब्धियॉ।
3. सामन्तवाद – उत्पति के कारण, स्वरूप, विशेषताएँ और पतन के कारण।
4. भौगोलिक खोज – प्रकृति और महत्व।
5. धर्मयुद्व का स्वरूप और प्रभाव।
6. पुनर्जागरण – कारण, स्वरूप और महत्व।
7. यूरोप में राष्ट्रीय राज्यों का उदय।
8. मध्य यूरोप में शहर और व्यवसाय का विकास।

9. धर्म सुधार के कारण, प्रभाव और स्वरूप।
10. संसद का गठन, इंग्लैंड में राजा का संसद ट्युटर काल तक।
11. मध्यकालिन यूरोप में विज्ञान और तकनीकि का विकास।
12. मध्यकालिन यूरोप के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की विशेषताएँ।

इतिहास (सहायक)

भारत का इतिहास (प्राचीन काल में 1206 AD तक)

1. प्राचीन भारतीय इतिहास का श्रोत।
2. सिंधु घाटी सभ्यता –नगरों का प्रारूप, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक कारण और पतन।
3. पूर्व वैदिक काल में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति।
4. बाद के वैदिक युग में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति में बदलाव।
5. मगध की उत्पति और 16 महाजनपद।
6. सिकन्दर का भारत पर आक्रमण के कारण, परिणाम और स्वरूप।
7. जैन धर्म और बौद्व धर्म का उदय, महावीर और बुद्व में जीवन तथा सिद्वांत।
8. मौर्य वंश–चन्द्रगुप्त मौर्य और अशोक के जीवन और उपलब्धियॉ, कलिंग युद्व, अशोक का धर्म, मौर्य वंश के पतन के कारण।
9. कुषाण और सातवाहन वंश, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
10. गुप्त वंश – समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम, स्वर्णकालीन युग में रूप में गुप्त वंश।
11. हर्षवर्धन की उपलब्धियॉ।
12. सिंध पर अरब का आक्रमण।
13. पल्वों का सांस्कृतिक योगदान।
14. मुहम्मद गजनवी और गौरी के आक्रमण, कारण, परिणाम तथा स्वरूप, तुर्की के भाव में सफलता के कारण।
15. भक्ति आंदोलन का स्वरूप और महत्व।

मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)
प्रथम–पत्र
सामान्य मनोविज्ञान

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

प्रत्येक अध्याय से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे। पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

1. **प्रणाली** – निरीक्षण, लाभ और सीमाएँ।
   प्रयोग – चर (Variables) – लाभ और सीमाएँ।
2. **तंत्रीका तंत्र तथा स्नायुमंडल** – विभाग, केन्द्रीय स्वचालित, मानव मस्तिष्क की बनावट और कार्य, कार्य की अध्ययन की प्रणाली, वल्कुटीय (cortical) कार्य के सिद्वांत, केन्द्रित (localization) और सामूहिक कार्य।
3. **बोध (Perception)** – आचरण और निर्धारण, गेस्टाल्ट (Gestalt) के सिद्वांत और व्यावहारिक व्यक्तिगत तथा सामाजिक तत्वों के कार्य तथा बोध का दायरा।
4. **सीखना** – सीखने में सीखने की भूमिका, सीखने के प्रभाव (curve) का सिद्वांत, सम्पर्क सूत्र, समझदारी (insigns) और स्थितिपरक, शास्त्रीय और यात्रक।
5. **स्मरण और विस्मरण** – प्रकृति (Elebanghans and Bartlett), इलीबींगस और बर्टलेट के विचार धारणा शक्ति के तत्व, बीती हुई घटना पर कार्य करना और रूकावट, विस्मरण के सिद्वांत और प्रकृति।
6. **चिन्तन और उससे संबंधित धारणा** – समस्या समाधान, चिन्तन में संकल्प (set) के भाग भाषा और विचार, केन्द्रीय और परिधीय (घेरा हुआ) सर्जनात्मक चिन्तन के सिद्वांत।
7. **संवेग (Emotion)** – प्रकृति, संवेग की अभिव्यक्ति (Convert and overt) परिवर्तन और प्रकार A.N.S. की भूमिका, वृहद मस्तिष्कीय वल्क (cerebral cortex) हाइपोथैलेमस (Hypothalamus) सिद्वांत, जेम्स लॉजे, केनन वार्ड का क्रियाशीलन सिद्वांत।
8. **नियत कर्तव्य (Motivation)** – नियत कर्तव्य और उससे संबंधित धारणा, जरूरत, लक्ष्य और उत्प्रेरण, जैविक तथा सामाजिक नियत कर्तव्य, प्रेरणाओं की माप।
9. **बुद्वि** – प्रकृति, प्रकार और उनकी पहुॅच, निर्धारण–व्यक्तित्व का जैविक और सामाजिक माप।

मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)
द्वितीय–पत्र
असामान्य मनोविज्ञान

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

प्रत्येक अध्याय से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे। पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

1. विषमता (Abnormality) के बारे में विभिन्न विचार, मनोरोग निदान की संक्षिप्त कहानी।
2. मन के आकारात्मक (Topographical) एवं गत्यात्मक (Dunmaic) पहलू (Aspects)।
3. दैनिक जीवन की मनोविकृतियॉ–दिमागी, उलझन और विभिन्न तकनीक, मनोलौगिक (Psychosexual) विकास।
4. स्वप्न – स्वप्न के कार्य, फ्रायड (Freud), जग (Jung) और एडलर के सिद्वांत।

5. पागलपन (Neuroscs)– पागलपन और मनोविकार (Psychosis) में भेद चिन्ता (Anxicty) मन स्ताप, मनोग्रस्तता, बाध्यता मनः स्ताप, हिस्टीरिया, मनोस्नायु शैथिल्य (Neurotic depression), नैदानिक (Clinical Picture), एवं कारण।
6. मनोविक्षिप्तता (Psychoses) मानसिक उन्माद (Paranoial) मानसिक उन्माद (Paranoial), झकीपन (mariac), खिन्नता (Depression) और दिमाग का सृजन (Schizophenia), प्रकार, नैदानिक स्वरूप और कारण।
7. मानसिंक विकृतियॉ (Psychopathic disorders), प्रकार, नैदानिक स्वरूप एवं डायनेमिक्स (Dynamics)
8. मनोदैहिक विकास (Psychogomatic disorders), प्रकार, नैदानिक स्वरूप एवं डायनेमिक्स (Dynamics)
9. मनोचिकित्सी (Psychotherapy), मनोविश्लेषण, उद्देश्य और उपयोग, समूह और व्यावहारिक चिकित्सा।
10. मानसिक रूकावट (Retardation), परिभाषा (Terminology), परिभाषा (Terminology), शैयाग्रस्त रोगी का वर्गीकरण का कारण और पुनर्स्थापन।

मनोविज्ञान (सहायक)

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

सामान्य मनोविज्ञान– सभी पाठ से एक–एक प्रश्न चुनकर दस प्रश्न चुने जायेंगे– जिसमें से पॉच प्रश्नों का उतर देना है।

1. **विषय वस्तु एवं प्रणाली** – परिचय, निरीक्षण एवं परीक्षण – गुण एवं दोष।
2. **नाड़ी मंडल** – प्रकार, संधिस्थल, संपूर्ण या बिल्कुल नहीं का नियम, मस्तिष्क (Brain) की बनावट एवं कार्य।
3. **प्रत्यक्षीकरण** – प्रकृति, विशेषताऍ और प्रक्रियॉ, जेस्टाल्टवादी विचार।
4. **सीखना** – प्रकृति, घुमाव सिद्वांत, प्रयोग (Trial) और भूल (Error) का सिद्वान्त, सूक्ष्म और शास्त्रीय संबंधी सिद्वांत।
5. **स्मरण एवं विस्मरण** – प्रकृति एवं प्रक्रिया, विस्मरण की प्रकृति एवं भूलने के कारण।
6. **चिन्तन** – प्रकृति एवं प्रक्रिया, चिन्तन एवं कल्पना, रचनात्मक चिन्तन।
7. **संवेग** – प्रकृति शारीरिक परिवर्तन, जेम्स–लॉजे एवं कैनन वार्ड का सिद्वान्त।
8. **प्रेरणा** – प्रकृति, प्रकार, Sociogenic & Biogenic motives.
9. **बुद्वि** – प्रकृति एवं बुद्वि, परीक्षण का माप।
10. **व्यक्तित्व** – प्रकृति, प्रकार, शीलगुण, निर्धारक–जैकिक और सामाजिक।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)
प्रथम–पत्र

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

माइक्रो (व्यष्टि) अर्थशास्त्र

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति और सीमा, आर्थिक नियम, व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र, स्टैटिक और डाइनैनिक अर्थशास्त्र।
2. **उपभोक्ता का माइक्रो सिद्वांत** – उपयोगितावादी विश्लेषण, उदासीन वक्र विश्लेषण, मॉग का उपभोक्ताओं की बचत।
3. लागत (Cost) और राजस्व (Revenue) की धारणा, लागत घुमाव और आय घुमाव का विश्लेषण।
4. **उत्पादन प्रक्रिया** –बचत (Return) का नियम, तुल्यता की मात्रा (ISO-quantily)
5. **मूल्य (Price) का सिद्वांत** – पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण, एकाधिकार (monopoly) और अपूर्ण प्रतियोगिता।
6. **वितरण (Distribution)** – वितरण का सिमांत उत्पादकता सिद्वांत, लगन–रिकार्डो और आधुनिक सिद्वान्त, मजदूरी (Wages)–मजदूरी की मांग और आपूर्ति सिद्वांत, सामूहिक मोलभाव के अन्तर्गत मजदूरी का निर्धारण, ब्याज (Interest) ब्याज का शास्त्रीय और अपेक्षाकृत तरलता का सिद्वान्त, लाभ (Profit) – नाइट (Knight's) और शूपीटर (Schumpeture) का लाभ–सिद्वान्त।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)
द्वितीय–पत्र
मेक्रो (समष्टि) अर्थशास्त्र

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. **मुद्रा (Money)** – आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका, मुद्रा का मूल्य, आदान–प्रदान और मुद्रा परिणाम सिद्वांत का नकद–शेष स्वरूप (Cash balance), आय–व्यय सिद्वांत, स्फीतिजनक अंतर, लागत वृद्वि स्फीति और मांग प्रेरित स्फीति मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के साथ मौदिक नीति के उद्देश्य।
2. **राष्ट्रीय भाव** –आय निर्धारण के सिद्वांत, प्रभावकारी मॉग का केन्सियन (Keynesian) सिद्वांत उपभोग किया, विनियोग (Investment) प्रक्रिया।
3. **बैकिंग (Banking)** – व्यावसायिक बैंको के सिंद्वांत, साख निर्माण, केन्द्रीय बैंक का कार्य, साख नियंत्रण के तरीके।
4. **अन्तराष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली** – स्वर्णमौन (Gold Standard), IMF (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष), IBRD, IFD (अन्तर्राष्ट्रीय वित निगम), IDA (अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ) और W.T.O.

5. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार –** आर्थिक विकास में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के परम्परावादी एवं आधुनिक सिद्वांत, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ, भुगतान संतुलन एक प्रतिकूल भुगतान संतुलन को सही करने के तरीके।

अर्थशास्त्र (सहायक)

माइक्रो अर्थशास्त्र

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र।
2. उपयोगिता विश्लेषण, मॉग का नियम, मॉग की लोच।
3. प्रतिफल के नियम, जनसंख्या के सिद्वांत, लागत विश्लेषण।
4. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत लागत।
5. **राष्ट्रीय आय** – वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्वान्त।
   लगान – रिकार्डियन सिद्वान्त।
   मजदूरी – मजदूरी की मॉग और पूर्ति संबंधी सिद्वान्त।
   ब्याज – शास्त्रीय और ब्याज दर की तरलता का अधिमान सिद्वान्त।
6. आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका।
7. आदान–प्रदान एवं मुद्रा का परिमाण सिद्वान्त का नगद शेष स्वरूप।
8. मुद्रा स्फीति – कोर्स और उपचार।
9. व्यावसायिक और केन्द्रीय बैंकों के कार्य।
10. IMF, IBRD के उद्देश्य एवं कार्य।
11. कर निर्धारण के सिद्वान्त।
12. **लोकखर्च (Public expenditure)** – इसके प्रभाव एवं विकास के कारण।
13. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्वान्त।
14. मुक्त व्यापार एवं संरक्षण।